

॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥ १०१॥ १०२॥ १०३॥ १०४॥ १०५॥ १०६॥ १०७॥ १०८॥ १०९॥ ११०॥ १११॥ ११२॥ ११३॥ ११४॥ ११५॥ ११६॥ ११७॥ ११८॥ ११९॥ १२०॥ १२१॥ १२२॥ १२३॥ १२४॥ १२५॥ १२६॥ १२७॥ १२८॥ १२९॥ १३०॥ १३१॥ १३२॥ १३३॥ १३४॥ १३५॥ १३६॥ १३७॥ १३८॥ १३९॥ १४०॥ १४१॥ १४२॥ १४३॥ १४४॥ १४५॥ १४६॥ १४७॥ १४८॥ १४९॥ १५०॥ १५१॥ १५२॥ १५३॥ १५४॥ १५५॥ १५६॥ १५७॥ १५८॥ १५९॥ १६०॥ १६१॥ १६२॥ १६३॥ १६४॥ १६५॥ १६६॥ १६७॥ १६८॥ १६९॥ १७०॥ १७१॥ १७२॥ १७३॥ १७४॥ १७५॥ १७६॥ १७७॥ १७८॥ १७९॥ १८०॥ १८१॥ १८२॥ १८३॥ १८४॥ १८५॥ १८६॥ १८७॥ १८८॥ १८९॥ १९०॥ १९१॥ १९२॥ १९३॥ १९४॥ १९५॥ १९६॥ १९७॥ १९८॥ १९९॥ २००॥ २०१॥ २०२॥ २०३॥ २०४॥ २०५॥ २०६॥ २०७॥ २०८॥ २०९॥ २१०॥ २११॥ २१२॥ २१३॥ २१४॥ २१५॥ २१६॥ २१७॥ २१८॥ २१९॥ २२०॥ २२१॥ २२२॥ २२३॥ २२४॥ २२५॥ २२६॥ २२७॥ २२८॥ २२९॥ २३०॥ २३१॥ २३२॥ २३३॥ २३४॥ २३५॥ २३६॥ २३७॥ २३८॥ २३९॥ २४०॥ २४१॥ २४२॥ २४३॥ २४४॥ २४५॥ २४६॥ २४७॥ २४८॥ २४९॥ २५०॥ २५१॥ २५२॥ २५३॥ २५४॥ २५५॥ २५६॥ २५७॥ २५८॥ २५९॥ २६०॥ २६१॥ २६२॥ २६३॥ २६४॥ २६५॥ २६६॥ २६७॥ २६८॥ २६९॥ २७०॥ २७१॥ २७२॥ २७३॥ २७४॥ २७५॥ २७६॥ २७७॥ २७८॥ २७९॥ २८०॥ २८१॥ २८२॥ २८३॥ २८४॥ २८५॥ २८६॥ २८७॥ २८८॥ २८९॥ २९०॥ २९१॥ २९२॥ २९३॥ २९४॥ २९५॥ २९६॥ २९७॥ २९८॥ २९९॥ ३००॥ ३०१॥ ३०२॥ ३०३॥ ३०४॥ ३०५॥ ३०६॥ ३०७॥ ३०८॥ ३०९॥ ३१०॥ ३११॥ ३१२॥ ३१३॥ ३१४॥ ३१५॥ ३१६॥ ३१७॥ ३१८॥ ३१९॥ ३२०॥ ३२१॥ ३२२॥ ३२३॥ ३२४॥ ३२५॥ ३२६॥ ३२७॥ ३२८॥ ३२९॥ ३३०॥ ३३१॥ ३३२॥ ३३३॥ ३३४॥ ३३५॥ ३३६॥ ३३७॥ ३३८॥ ३३९॥ ३४०॥ ३४१॥ ३४२॥ ३४३॥ ३४४॥ ३४५॥ ३४६॥ ३४७॥ ३४८॥ ३४९॥ ३५०॥ ३५१॥ ३५२॥ ३५३॥ ३५४॥ ३५५॥ ३५६॥ ३५७॥ ३५८॥ ३५९॥ ३६०॥ ३६१॥ ३६२॥ ३६३॥ ३६४॥ ३६५॥ ३६६॥ ३६७॥ ३६८॥ ३६९॥ ३७०॥ ३७१॥ ३७२॥ ३७३॥ ३७४॥ ३७५॥ ३७६॥ ३७७॥ ३७८॥ ३७९॥ ३८०॥ ३८१॥ ३८२॥ ३८३॥ ३८४॥ ३८५॥ ३८६॥ ३८७॥ ३८८॥ ३८९॥ ३९०॥ ३९१॥ ३९२॥ ३९३॥ ३९४॥ ३९५॥ ३९६॥ ३९७॥ ३९८॥ ३९९॥ ४००॥ ४०१॥ ४०२॥ ४०३॥ ४०४॥ ४०५॥ ४०६॥ ४०७॥ ४०८॥ ४०९॥ ४१०॥ ४११॥ ४१२॥ ४१३॥ ४१४॥ ४१५॥ ४१६॥ ४१७॥ ४१८॥ ४१९॥ ४२०॥ ४२१॥ ४२२॥ ४२३॥ ४२४॥ ४२५॥ ४२६॥ ४२७॥ ४२८॥ ४२९॥ ४३०॥ ४३१॥ ४३२॥ ४३३॥ ४३४॥ ४३५॥ ४३६॥ ४३७॥ ४३८॥ ४३९॥ ४४०॥ ४४१॥ ४४२॥ ४४३॥ ४४४॥ ४४५॥ ४४६॥ ४४७॥ ४४८॥ ४४९॥ ४५०॥ ४५१॥ ४५२॥ ४५३॥ ४५४॥ ४५५॥ ४५६॥ ४५७॥ ४५८॥ ४५९॥ ४६०॥ ४६१॥ ४६२॥ ४६३॥ ४६४॥ ४६५॥ ४६६॥ ४६७॥ ४६८॥ ४६९॥ ४७०॥ ४७१॥ ४७२॥ ४७३॥ ४७४॥ ४७५॥ ४७६॥ ४७७॥ ४७८॥ ४७९॥ ४८०॥ ४८१॥ ४८२॥ ४८३॥ ४८४॥ ४८५॥ ४८६॥ ४८७॥ ४८८॥ ४८९॥ ४९०॥ ४९१॥ ४९२॥ ४९३॥ ४९४॥ ४९५॥ ४९६॥ ४९७॥ ४९८॥ ४९९॥ ५००॥ ५०१॥ ५०२॥ ५०३॥ ५०४॥ ५०५॥ ५०६॥ ५०७॥ ५०८॥ ५०९॥ ५१०॥ ५११॥ ५१२॥ ५१३॥ ५१४॥ ५१५॥ ५१६॥ ५१७॥ ५१८॥ ५१९॥ ५२०॥ ५२१॥ ५२२॥ ५२३॥ ५२४॥ ५२५॥ ५२६॥ ५२७॥ ५२८॥ ५२९॥ ५३०॥ ५३१॥ ५३२॥ ५३३॥ ५३४॥ ५३५॥ ५३६॥ ५३७॥ ५३८॥ ५३९॥ ५४०॥ ५४१॥ ५४२॥ ५४३॥ ५४४॥ ५४५॥ ५४६॥ ५४७॥ ५४८॥ ५४९॥ ५५०॥ ५५१॥ ५५२॥ ५५३॥ ५५४॥ ५५५॥ ५५६॥ ५५७॥ ५५८॥ ५५९॥ ५६०॥ ५६१॥ ५६२॥ ५६३॥ ५६४॥ ५६५॥ ५६६॥ ५६७॥ ५६८॥ ५६९॥ ५७०॥ ५७१॥ ५७२॥ ५७३॥ ५७४॥ ५७५॥ ५७६॥ ५७७॥ ५७८॥ ५७९॥ ५८०॥ ५८१॥ ५८२॥ ५८३॥ ५८४॥ ५८५॥ ५८६॥ ५८७॥ ५८८॥ ५८९॥ ५९०॥ ५९१॥ ५९२॥ ५९३॥ ५९४॥ ५९५॥ ५९६॥ ५९७॥ ५९८॥ ५९९॥ ६००॥ ६०१॥ ६०२॥ ६०३॥ ६०४॥ ६०५॥ ६०६॥ ६०७॥ ६०८॥ ६०९॥ ६१०॥ ६११॥ ६१२॥ ६१३॥ ६१४॥ ६१५॥ ६१६॥ ६१७॥ ६१८॥ ६१९॥ ६२०॥ ६२१॥ ६२२॥ ६२३॥ ६२४॥ ६२५॥ ६२६॥ ६२७॥ ६२८॥ ६२९॥ ६३०॥ ६३१॥ ६३२॥ ६३३॥ ६३४॥ ६३५॥ ६३६॥ ६३७॥ ६३८॥ ६३९॥ ६४०॥ ६४१॥ ६४२॥ ६४३॥ ६४४॥ ६४५॥ ६४६॥ ६४७॥ ६४८॥ ६४९॥ ६५०॥ ६५१॥ ६५२॥ ६५३॥ ६५४॥ ६५५॥ ६५६॥ ६५७॥ ६५८॥ ६५९॥ ६६०॥ ६६१॥ ६६२॥ ६६३॥ ६६४॥ ६६५॥ ६६६॥ ६६७॥ ६६८॥ ६६९॥ ६७०॥ ६७१॥ ६७२॥ ६७३॥ ६७४॥ ६७५॥ ६७६॥ ६७७॥ ६७८॥ ६७९॥ ६८०॥ ६८१॥ ६८२॥ ६८३॥ ६८४॥ ६८५॥ ६८६॥ ६८७॥ ६८८॥ ६८९॥ ६९०॥ ६९१॥ ६९२॥ ६९३॥ ६९४॥ ६९५॥ ६९६॥ ६९७॥ ६९८॥ ६९९॥ ७००॥ ७०१॥ ७०२॥ ७०३॥ ७०४॥ ७०५॥ ७०६॥ ७०७॥ ७०८॥ ७०९॥ ७१०॥ ७११॥ ७१२॥ ७१३॥ ७१४॥ ७१५॥ ७१६॥ ७१७॥ ७१८॥ ७१९॥ ७२०॥ ७२१॥ ७२२॥ ७२३॥ ७२४॥ ७२५॥ ७२६॥ ७२७॥ ७२८॥ ७२९॥ ७३०॥ ७३१॥ ७३२॥ ७३३॥ ७३४॥ ७३५॥ ७३६॥ ७३७॥ ७३८॥ ७३९॥ ७४०॥ ७४१॥ ७४२॥ ७४३॥ ७४४॥ ७४५॥ ७४६॥ ७४७॥ ७४८॥ ७४९॥ ७५०॥ ७५१॥ ७५२॥ ७५३॥ ७५४॥ ७५५॥ ७५६॥ ७५७॥ ७५८॥ ७५९॥ ७६०॥ ७६१॥ ७६२॥ ७६३॥ ७६४॥ ७६५॥ ७६६॥ ७६७॥ ७६८॥ ७६९॥ ७७०॥ ७७१॥ ७७२॥ ७७३॥ ७७४॥ ७७५॥ ७७६॥ ७७७॥ ७७८॥ ७७९॥ ७८०॥ ७८१॥ ७८२॥ ७८३॥ ७८४॥ ७८५॥ ७८६॥ ७८७॥ ७८८॥ ७८९॥ ७९०॥ ७९१॥ ७९२॥ ७९३॥ ७९४॥ ७९५॥ ७९६॥ ७९७॥ ७९८॥ ७९९॥ ८००॥ ८०१॥ ८०२॥ ८०३॥ ८०४॥ ८०५॥ ८०६॥ ८०७॥ ८०८॥ ८०९॥ ८१०॥ ८११॥ ८१२॥ ८१३॥ ८१४॥ ८१५॥ ८१६॥ ८१७॥ ८१८॥ ८१९॥ ८२०॥ ८२१॥ ८२२॥ ८२३॥ ८२४॥ ८२५॥ ८२६॥ ८२७॥ ८२८॥ ८२९॥ ८३०॥ ८३१॥ ८३२॥ ८३३॥ ८३४॥ ८३५॥ ८३६॥ ८३७॥ ८३८॥ ८३९॥ ८४०॥ ८४१॥ ८४२॥ ८४३॥ ८४४॥ ८४५॥ ८४६॥ ८४७॥ ८४८॥ ८४९॥ ८५०॥ ८५१॥ ८५२॥ ८५३॥ ८५४॥ ८५५॥ ८५६॥ ८५७॥ ८५८॥ ८५९॥ ८६०॥ ८६१॥ ८६२॥ ८६३॥ ८६४॥ ८६५॥ ८६६॥ ८६७॥ ८६८॥ ८६९॥ ८७०॥ ८७१॥ ८७२॥ ८७३॥ ८७४॥ ८७५॥ ८७६॥ ८७७॥ ८७८॥ ८७९॥ ८८०॥ ८८१॥ ८८२॥ ८८३॥ ८८४॥ ८८५॥ ८८६॥ ८८७॥ ८८८॥ ८८९॥ ८९०॥ ८९१॥ ८९२॥ ८९३॥ ८९४॥ ८९५॥ ८९६॥ ८९७॥ ८९८॥ ८९९॥ ९००॥ ९०१॥ ९०२॥ ९०३॥ ९०४॥ ९०५॥ ९०६॥ ९०७॥ ९०८॥ ९०९॥ ९१०॥ ९११॥ ९१२॥ ९१३॥ ९१४॥ ९१५॥ ९१६॥ ९१७॥ ९१८॥ ९१९॥ ९२०॥ ९२१॥ ९२२॥ ९२३॥ ९२४॥ ९२५॥ ९२६॥ ९२७॥ ९२८॥ ९२९॥ ९३०॥ ९३१॥ ९३२॥ ९३३॥ ९३४॥ ९३५॥ ९३६॥ ९३७॥ ९३८॥ ९३९॥ ९४०॥ ९४१॥ ९४२॥ ९४३॥ ९४४॥ ९४५॥ ९४६॥ ९४७॥ ९४८॥ ९४९॥ ९५०॥ ९५१॥ ९५२॥ ९५३॥ ९५४॥ ९५५॥ ९५६॥ ९५७॥ ९५८॥ ९५९॥ ९६०॥ ९६१॥ ९६२॥ ९६३॥ ९६४॥ ९६५॥ ९६६॥ ९६७॥ ९६८॥ ९६९॥ ९७०॥ ९७१॥ ९७२॥ ९७३॥ ९७४॥ ९७५॥ ९७६॥ ९७७॥ ९७८॥ ९७९॥ ९८०॥ ९८१॥ ९८२॥ ९८३॥ ९८४॥ ९८५॥ ९८६॥ ९८७॥ ९८८॥ ९८९॥ ९९०॥ ९९१॥ ९९२॥ ९९३॥ ९९४॥ ९९५॥ ९९६॥ ९९७॥ ९९८॥ ९९९॥ १०००॥

गर्जतांसागरोघाणांयथास्यान्निःस्वनोमहान्॥ तेषुसेनेसमासाद्यवेगवत्यौपरस्परं॥ ७४॥ एकीभावमनुप्राप्तेनघाविवसमागमे॥ ततःप्रवदतेयुद्धंघोररूपं
विशांपते॥ ७५॥ कुरूणांपांडवानांचलिप्सतांसुमहद्यशः॥ शूराणांगर्जतांतत्रत्यविच्छेदकृतागिरः॥ ७६॥ श्रूयंतैविविधाराजन्नामान्युद्दिश्यभारत॥ यस्य
यद्विरेणव्यंगंपितृतोमातृतोपिवा॥ ७७॥ कर्मतःशीलतोवापिसतच्छ्रावयतेयुधि॥ तान्दृष्ट्वासमरेशूरांस्तर्जमानान्परस्परं॥ ७८॥ अभवन्मेमतीराजन्नैषा
मस्तीतिजीवितं॥ तेषांदृष्ट्वातुकुद्धानांवंपूष्यमिततेजसां॥ ७९॥ अभवन्मेभयंतीव्रकथमेतद्भविष्यति॥ ततस्तेपांडवाराजन्कौरवाश्चमहाराथाः॥ ८०॥ तत
क्षुःसायकैस्तीक्ष्णैर्निघ्नंतोहिपरस्परं॥ ८१॥ इतिश्रीमहाभारतेकर्णपर्वणिसंकुलयुद्धेएकपंचाशत्तमोऽध्यायः॥ ५१॥ ॥ ५३॥ संजयउवाच
क्षत्रियास्तेमहाराजपरस्परवधैषिणः॥ अन्योन्यंसमरेजघ्नःकृतवैराःपरस्परं॥ १॥ रथौघाश्चहयौघाश्चनरौघाश्चसमंततः॥ गजौघाश्चमहाराजसंसक्ताश्चपर
स्परं॥ २॥ गदानांपरिघाणांचकणपानांचक्षिप्यतां॥ प्रासानांभिदिपालानांभुशुडीनांचसर्वशः॥ ३॥ संपातंचानुपश्यामसंग्रामेश्मशदारुणे॥ शलभाइवसं
पेतुःशरदृष्ट्यःसमंततः॥ ४॥ नागान्नागाःसमासाद्यव्यधमंतपरस्परं॥ हयाहयांश्चसमरेरथिनोरथिनस्तथा॥ ५॥ पत्तयःपत्तिसंघांश्चहयसंघांश्चपत्तयः॥ प
त्तयोरथमातंगान्रथाहस्यश्चमेवच॥ ६॥ नागाश्चसमरेऽयंगमद्दुःशीघ्रगान्प
शंसंयथा॥ रुधिरेणसमास्तीर्णाभातिभारतमेदिनी॥ ८॥ शक्रगोपगणाकीर्णाप्रावृषीवयथाधरा॥ यथावावाससीशुक्लमहारंजनरंजिते॥ ९॥ विभ्रयाद्युवती
श्यामातद्वदासीद्वसुंधरा॥ मांसशोणितचित्रेवशातकुंभमयीवच॥ १०॥ भिन्नानांचोत्तमांगानांबाहूनांचोरुभिःसह॥ कुंडलानांप्रवृद्धानांभूषणानांचभा
रत॥ ११॥ निष्काणामथशूराणांशरीराणांचधन्विनां॥ चर्मणांसपताकानांसंघास्तत्रापतन्भुवि॥ १२॥ गजागजान्समासाद्यविषाणैरादयन्प॥ विषाणा
भिहतास्तत्रभ्राजंतैद्विरदास्तथा॥ १३॥ रुधिरेणावसिक्तांगारैरिकप्रसवाइव॥ यथाभ्राजंतिस्यंदंतःपर्वताधातुमंडिताः॥ १४॥ तोमरान्सादिभिर्मुक्ताम्बरी
पानास्थितान्बहून्॥ हस्तैर्विवेचरुस्तेनागावभंजुश्चापरेतथा॥ १५॥ नाराचैश्चिन्नवर्मणोभ्राजंतस्मिगजोत्तमाः॥ हिमागमेयथाराजनव्यभ्राइवमहीधराः॥
॥ १६॥ शरैःकनकपुंखैश्चचित्रारेजुर्गजोत्तमाः॥ उल्काभिःसंप्रदीप्ताःपर्वताइवभारता॥ १७॥ ॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥